पत्र सूचना कार्यालय (रक्षा विंग)
भारत सरकार
****
‘हर काम देश के नाम’

नई दिल्लीः आषाढ़ 07, 1944
मंगलवारः 28 जून 2022

स्वदेशी उन्नत हल्के हेलिकॉप्टर एमके III स्क्वाड्रन को गुजरात के पोरबंदर में भारतीय तटरक्षक बल में शामिल किया गया

स्वदेशी उन्नत हल्के हेलिकॉप्टर (एएलएच) एमके III से लैस 835 स्क्वाड्रन (सीजी), को गुजरात के पोरबंदर में भारतीय तटरक्षक बल के एयर एन्क्लेव में 28 जून 2022 को शामिल किया गया। तटरक्षक बल के महानिदेशक श्री वीएस पठानिया ने इसके लिए आयोजित समारोह की अध्यक्षता की। इस समारोह में पोरबंदर और गुजरात क्षेत्र में स्थित विभिन्न सैन्य और असैन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। इस स्क्वाड्रन का चालू होना प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' की परिकल्पना के अनुरूप खोज एवं बचाव (एसएआर) और समुद्री निगरानी के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रगति को दर्शाता है।

एएलएच एमके III हेलिकॉप्टरों का निर्माण हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) द्वारा स्वदेशी रूप से किया गया है। इनमें उन्नत रडार के साथ-साथ इलेक्ट्रो ऑप्टिकल सेंसर, शक्ति इंजन, पूर्ण ग्लास कॉकपिट, उच्च तीव्रता वाली सर्चलाइट, उन्नत संचार प्रणाली, स्वचालित पहचान प्रणाली के साथ-साथ एसएआर अभिलक्ष्यक सहित अत्याधुनिक उपकरण शामिल हैं। ये विशेषताएं इन्हें समुद्र में गश्त करने के साथ-साथ दिन और रात दोनों में, जहाजों से संचालित होने के दौरान भी विस्तारित श्रेणियों पर खोज एवं बचाव कार्य करने में सक्षम बनाती हैं। विमान में गंभीर रूप से बीमार रोगियों के हस्तांतरण की सुविधा के लिए एक चिकित्सा गहन देखभाल इकाई के परिवहन के समय में भी भारी मशीनगन का प्रयोग कर आक्रामक प्लेटफॉर्म के रूप में बदलने की क्षमता है।

अब तके 13 एएलएच एमके-III विमानों को चरणबद्ध तरीके से भारतीय तटरक्षक बल में शामिल किया गया है और इनमें से चार विमान पोरबंदर में तैनात हैं। शामिल होने के बाद से, स्क्वाड्रन ने 1,200 घंटे से अधिक उड़ान भरी है और दीव तट से पहली रात खोज एवं बचाव मिशन सहित कई परिचालन मिशन संचालित किए हैं।

835 स्क्वाड्रन (सीजी) की कमान कमांडेंट सुनील दत्त के हाथों में है। इस कमीशनिंग से गुजरात क्षेत्र में भारतीय तटरक्षक बल की क्षमताओं को महत्वपूर्ण प्रोत्साहन मिलेगा और देश की समुद्री सुरक्षा को और मजबूत किया जा सकेगा।

एबीबी/डीएस/आरपी